लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2346
दिनांक 21.12.2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

शिल्प कला पर्यटन ग्राम

2346. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः
श्री रविन्दर कुशवाहाः
श्री मनोज तिवारीः
श्री प्रतापराव जाधवः
श्री सुब्रत पाठकः
श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः
श्री बी.बी.पाटीलः
श्री बिद्युत बरन महतोः
श्री सुधीर गुप्ताः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का वस्त्र उद्योग को पर्यटन से जोड़कर शिल्प पर्यटन ग्रामों की स्थापना करने की कोई योजना शुरु करने का है जिससे पर्यटन के साथ-साथ शिल्प कला को भी बढ़ावा मिल सके;

(ख) यदि हां; तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लक्ष्य और उद्देश्य क्या है;

(ग) सरकार द्वारा देश में शिल्प कला पर्यटन ग्रामों की स्थापना के लिए क्या मानदंड निर्धारित किए गए हैं;

(घ) क्या ऐसे शिल्प कला पर्यटन ग्राम की पहचान करने और उन्हें विकसित करने की प्रक्रिया आरम्भ हो गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) इस प्रयोजन के लिए विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान आवंटित/जारी की गई निधि का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(च) देश में और अधिक शिल्प कला पर्यटन ग्राम स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) से (च): वस्त्र मंत्रालय राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत शिल्प ग्राम स्थापित करने के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। इन कार्यक्रमों के तहत, हथकरघा एवं हस्तशिल्प पॉकेट जो मुख्य पर्यटक स्थलों/सर्किट के निकट एवं उनसे जुड़े हैं और जिनकी अपनी पारंपरिक कला एवं शिल्प विरासत है, चिन्हित किए जाते हैं। शिल्प ग्राम स्थापित करने के मानदंडों में अन्य विषयों के साथ पर्याप्त संख्या में कारीगरों/बुनकरों की उपस्थिति और पर्यटकों का आवागमन शामिल है, ताकि एक ही स्थान पर शिल्प संवर्धन एवं पर्यटन को बढ़ावा मिल सकें।

राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत शिल्प ग्राम स्थापित करने संबंधी घटकों को योजना दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य सरकारों से व्यवहार्य प्रस्ताव प्राप्त करने पर आवश्यकता के आधार पर क्रियान्वित किया जाता है। अभी तक, 8 हस्तशिल्प ग्रामों और 7 हथकरघा ग्रामों को पहचान कर शिल्प ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है। शिल्प ग्रामों और इस प्रयोजन के लिए विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान आवंटित/जारी की गई निधियों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **अनुलग्नक** पर है।

दिनांक 21.12.2022 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2346 के उत्तर में विर्निदिष्ट अनुलग्नक।

शिल्प ग्रामों और इस प्रयोजन के लिए विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान आवंटित/जारी की गई निधियों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	राज्य	स्थान	भारत सरकार का हिस्सा					
			कुल स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि (लाख रु. में)				
				2019-20	2020-21	2021-22	2022-23 (30.11.2022 तक)	कुल (2014-15 से)
हस्तशिल्प ग्राम								
1	गुजरात	वडाज (अहमदाबाद)	713.38	36.14	249.11	-	-	285.25*
2	उत्तर प्रदेश	नैनी (प्रयागराज)	573.12	36.14	193.11	-	-	229.25*
3	उत्तर प्रदेश	ताज गंज (आगरा)	758.60	-	303.44	379.30	-	682.74
4	कर्नाटक	अनेगुंडी (कोप्पल, हम्पी के निकट)	512.94	36.14	169.03	-	-	205.17 #
5	तमिलनाडु	मामल्लपुरम (चेंगलपट्टु)	561.35	-	224.54	-	-	224.54*
6	राजस्थान	आमेर (जयपुर)	412.00	-	94.00	-	-	94.00*
7	ओडिशा	रघुराजपुर (पुरी)	1000.00	-	-	300.00	-	900.00
8	आंध्र प्रदेश	तिरुपति (चित्तूर)	955.00	-	-	-	-	477.50*
शिल्प हथकरघा ग्राम								
1	हिमाचल प्रदेश	शरण (कुल्लू)	118.63	26.11	21.41	-	-	47.52*
2	जम्मू एवं कश्मीर	कनिहामा (बडगाम)	258.94	-	103.58	-	129.47	233.05
3	असम	मोहपाड़ा (गोलाघाट)	140.39	-	56.16	-	70.20	126.36
4	केरल	कोवलम (तिरुवनंतपुरम)	45.32	-	18.13	-	22.66	40.79
5	बिहार	रामपुर, बोध गया (गया)	137.13	-	54.85	-	-	54.85*
6	मणिपुर	मोईरंग, लोकटक झील के निकट (बिष्णुपुर)	402.00	-	-	-	194.25	194.25
7	मध्य प्रदेश	प्राणपुर, चंदेरी (अशोकनगर)	402.22	-	-	-	195.10	195.10

*रिलीज़ पहले से जारी निधियों के उपयोग से जुड़ा हुआ है और यह राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों के पास लंबित है।

इसे कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा अल्पावधि में बंद कर दिया गया है।

*****